दिनांक - 01/11/2018

डॉ. सीवी रमन विवि में धूमधाम से मनाया मप्र स्थापना दिवस

खंडवा. डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय, छैगांव माखन में 1 नवंबर (गुरुवार) को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कई मनमोहक प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन से आगे बढ़ने की सीख दी। साथ ही अपने सामान्य ज्ञान को भी बढ़ाने पर जोर दिया। इस दौरान दो प्रतिभावान छात्राओं का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. संध्या चतुर्वेदी, विशेष अतिथि वाय.एन. चतुर्वेदी और कुलपति श्री अमिताभ सक्सेना थे। मुख्य अतिथि डॉ. संध्या चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को मप्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा उनका खंडवा से जुड़ाव काफी पुराना है, उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा यहीं पूरी की है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केंद्र हैं। विश्वविद्यालय बहुत अच्छी बिल्डिंग, परिसर या विद्यार्थियों से नहीं बनते बल्कि शिक्षण, शिक्षार्थी, शिक्षक और प्रबंधने के बेहतर तालमेल से ही बनते हैं। यही तालमेल किसी भी विश्वविद्यालय को प्रसिद्धि के शिखर पर ले जाता है। विगत 35 वर्षों से में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच रही हूं। मैं राजनीति विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर रही और सेवानिवृत्ति प्राचार्य के पद से हुई। विश्वविद्यालय अगर अकादमीक गतिविधियों के केंद्र न हों तो कोरी शिक्षा का कोई उद्देश्य नहीं है। सभी गतिविधियों में विद्यार्थी और शिक्षकों को भाग लेना चाहिए। तभी विश्वविद्यालय की शिक्षा सार्थक होगी।

विद्यार्थियों को अपना एक संस्मरण सुनाते हुए विशेष अतिथि वाय. एन चतुर्वेदी ने कहा कि जो भी बातें विद्यार्थियों ने यहां प्रस्तुत की, अगर उसे वे अपने जीवन में उतार लेते हैं तो उन्हें जीवन पथ पर आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने युवावस्था के दौरान नौकरी पर जाते समय की घटना का जिक्र किया। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि वे कानपुर से इटावा के लिए अपडाउन करते थे। एक दिन वे ट्रेन में सवार हुए और ट्रेन चल दी, तभी एक बुजुर्ग दंपती ट्रेन में चढ़ने लगे। बुजुर्ग तो ट्रेन में चढ़ गए लेकिन उनकी पत्नी प्लेटफॉर्म पर ही रह गईं। श्री चतुर्वेदी ने जंजीर खींचकर ट्रेन रोकी और बुजुर्ग के साथ प्लेटफॉर्म पर उतरे और बुजुर्ग की पत्नी को चढ़ने में मदद की। जब ट्रेन रवाना होने लगी तो श्री चतुर्वेदी को बुजुर्ग के झोले में श्री रामचरित मानस की प्रति दिखाई दी। उन्होंने बुजुर्गवार से पूछा कि आप इसे पढ़ते हैं या सिर्फ

दिखाने के लिए रख रखी है। बुजुर्ग ने गुस्से से जवाब दिया कि पढ़ता हूं तभी तो रखी है, नहीं पढ़ता तो अपने साथ क्यों रखता? इस पर श्री चतुर्वेदी ने मुझे नहीं लगता है कि आप इसे पढ़ते हैं, अगर पढ़ते होते तो इसमें लिखा है सिया चढ़ाई चढ़े रघुराई.., आप पहले ट्रेन में अपनी पत्नी को चढ़ाते फिर खुद चढ़ते, इस पर बुजुर्ग की आंखों में आंसू आ गए और रूंधे गले से उन्होंने कहा कि वे 40-50 वर्षों श्री रामचरित मानस का पाठ कर रहे हैं लेकिन पहली बार किसी ने उन्हें सही ढंग से समझाया है और वह भी काफी कम उम्र के युवक ने। इस घटना को बताने का मतलब है कि विद्यार्थी प्रतियोगिता में व्याख्यान या भाषण देने के दौरान जिस आदर्शवाद, अनुशासन की बात करते हैं तो वह कोरी नहीं रह जानी चाहिए। उसे अपने जीवन में भी उतारना चाहिए, उसे अपने आचरण में भी लाना चाहिए। तभी वे आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने कहा चार साल का वनवास (यानी कॉलेज की पढ़ाई) पूरा किया तो चालीस साल अच्छे से गुजरेंगे और अभी चार साल ऐश कर लिए तो चालीस साल का वनवास भुगतना पड़ेगा। कार्यक्रम में कुलपति श्री सक्सेना ने मप्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अच्छे विद्यार्थी में मुख्य रूप से तीन गुण होना चाहिए। पहला है जिज्ञासा, अगर विद्यार्थी में जिज्ञासा नहीं होगी, उसमें कुछ जानने की क्षमता नहीं होगी तो वह कभी आगे नहीं बढ़ पाएगा। दूसरा गुण है धैर्य, उन्होंने भगवान श्री राम का उदाहरण देते हुए बताया कि धैर्यवान व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ पाता है। जब भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास हुआ था तब वे युवराज राम थे लेकिन जब वे वन से लौटे तो जन-जन के प्रभु मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम बन चुके थे। धैर्य ने ही उन्हें भगवान के पद पर प्रतिस्थापित किया। तीसरा गुण है नेतृत्व क्षमता। अगर विद्यार्थी ने ये तीनों गुण विकसित कर लिए तो वह जीवन में सर्वश्रेष्ठ मुकाम पर पहुंच सकता है। उसका भविष्य बहुत सुंदर होगा।

प्रतिभावान दो छात्राओं का सम्मान पत्र वितरित

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय नियामक आयोग द्वारा सम्मानित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के बीकाम तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. मार्या दलाल और बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रेणु हिर्वे को सम्मान पत्र वितरित किए।

रंगारंग प्रस्तुतियों ने मन मोहा

इससे पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से मन मोह लिया। सर्व प्रथम बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मार्या दलाल ने मध्यप्रदेश का परिचय दिया। गोविंद तोमर ने गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। बीएससी एग्रीकल्चर प्रथम सेमेस्टर के छात्र ने भाषण प्रस्तुत किया।

बीएससी एग्रीकल्चर प्रथम सेमेस्टर के छात्र कुलदीप यादव ने अपनी स्वरचित रचना से सबको अचंभित कर दिया। बीएससी बायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्याम चौहान ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किया। इस पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा आस्था पोद्दार और छात्र कुलदीप राठौड़ ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन श्री रविशंकर कानूड़े ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी ने आभार माना। इस दौरान सांस्कृतिक समिति के सदस्य श्रीमती श्रेया मालवीय, सुश्री भावना राजपूत सहित विश्वविद्यालय की फैकल्टी सहित समस्त स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद थे।